



ॐ आ ८८ स्वाहा ॥ रुति ॥ ॥ ॐ क न म नाय ॐ आ ८८ स्वाहा ॥ ॥ ॐ
आ ८८ ज न सि रु ला य स्वाहा ॥ नि सि ॥ ॥ ॐ आ ८८ व ज य रु स्वाहा
॥ सि कि ना ८८ ॥ ॥ ॐ व ज ना रा य स्वाहा ॥ ना य ॥ ॥ ॐ सर्वार्थ सिद्ध य
स्वाहा ॥ न य का ॥ ॥ ॐ सर्व कृ भ य स म ना य स्वाहा ॥ य का ॥ ॥ ॐ
सर्व सं व द स्वाहा ॥ द वि गु द ॥ ॥ ॐ ८८ जं ८८ जं ८८ लं ८८ मां ८८ पां ८८ सो ८८ सु ८८ दि
दी ८८ डि स्वाहा ॥ वि दि (भ) ध न ॥ ॥ स्वा वि दि द य ॥ ॥ य थ म द्रु ति

याय ॥ ॥ न न रा न च ल न क न स्ति नं वा म क थ न य न वृ त्त या गी मा दा य न
क्रि द क न न म (ध) मू र व गु बा मा दा य स मी ल्य द शी र्म का न यि त्वा + आ सा न
मि कृ द व ना न य मू र रु न व द्ध वि व न मू र व य थ मू र व भ क रि य रु स र्क
क वि भ ला रु नी द था न ॥ ॥ रु ल धा ना ॥ ॐ अ त्म मू र व मू द्धि या र्शी सर्व भ
८८ ८८ व ८८ का ८८ रु ८८ यु व न स क्ता ना य रु ८८ रु ८८ स्वाहा ॥ र्थ ४ ॥ आ रु ति या य
॥ स स्ति वा क या य ॥ ॐ अ त्म य दी प दि ष्या वि षा वि ष म दा श्री थ रु वा क वा वा :

कह्य ॥ हृदयमनुन ॥ ॥ आकृतियाय ॥ स्वस्ति वा क ॥ ॐ अग्नय
त्वादि ॥ कलभया ना मा लक्र आ कृतिविय ॥ ॥ य्वं ॥ वं ॥ ला ॥ सु ॥ ॐ
तिहूना कृतियहू सुरुभा नन मु ॥ ॥ धनादवयुनिहू ॥ दण क म्रिया
य ॥ दणमि विवि ॥ ॥ दवना कृतियाय ॥ नरुं सर्वदवानां महलं यन
माहुनं न सनाथ रु सदु ॥ ल मुजा ला नूरु कथ ॥ मनु मूडा समा यु क ॥ वडा
वृ ॥ दिथागत ॥ शि त लट कि ना च ॥ हू न वक्रि समा कथ ॥ न ह्यदयः

[illegible]

नाम नमः ॥ न न स क ल देवाना । न त्मानं स य ना च न । उ व क भानि था कामः
सिद्धि र्मा र्ग्य स म्य दं ॥ त्रि स र्क क वि भ ला दि । या व च ल क का ठि न ४ न स्वः
कृ सि धि न सा न द । म नु न क्ता दि ना म नं ॥ मू ख स र्वा रु ति वि न्य । वि दि स र्वा दि
ता व ना । च न स र्वा य ता य क उ क ला रु लि ता न ल ४ ॥ ॥ न ना द व ता या ध्या
न ॥ आ क र्ष ण ॥ धू य ॥ या दा र्थ ॥ आ च म द ॥ था रु ण ॥ अ र्थ ॥ यू य न्या भ ॥ वि
दि द्य ॥ च न रु य ॥ मा ल का द व ता रु ति वि य ॥ स्व सि वा य ॥ उं अ म्ना दि यः

दि य्या x ॥ ला भ्या x ॥ मु ति x ॥ उं ति द व ता रु ति य रू गु रु भ न न नु वि वि
॥ ॥ न ना य र्क्ता रु ति ॥ य र्क्ता सि द्य ॥ क्ता वि दि द्य ॥ च न रु य ॥ ॥ उं आ
४ स मा वि रु ल र्भं स्वा दा ॥ आ र ल स ॥ ॥ उं आ ४ र्कं ग्म नि र्ध नि न क वि रु
व द्य र्कं स्वा दा ॥ श्री ख रु ॥ ॥ उं व ड वा स स स्वा दा ॥ रु रु म ॥ ॥ उं व ड य
य स्वा दा ॥ धू नि ॥ ॥ ध र्मा ध र्म ना रु रु २ स र्व वि द्य य भ नि कृ न र्वा दा ॥
च न न गु ति ॥ ॥ उं स य र्थ स क ल व ल न ना ना ना य र्धि कृ न र्वा दा ॥ य र्क उः

त्यन॥ ॥ॐ गगनगगग वि ला की न न शाना नानाययूष्णि कू नू रं रू रू
स्वाहा॥ व्याल॥ ॥ॐ वज्रनाम्नाय स्वाहा॥ ताम्बूल॥ ॥ॐ वज्रयि
रुमाय स्वाहा॥ यिर्यं॥ ॥ॐ सर्वभाग्यसमनाय स्वाहा॥ सर्वोषधि
॥ ॥ॐ सर्वकसयसमनाय स्वाहा॥ यक्षोषधि॥ ॥ॐ जीकायकनधः
शेषनाभना स्वाहा॥ त्रिकर॥ ॥ॐ त्रिरुलरुलनंॐ न्ना ४ रं स्वाहा॥ त्रिरु
त्ता॥ ॥ॐ मदनाय स्वाहा॥ मदनरुल॥ ॥ॐ वज्रवसंकनाय स्वा

हा॥ कूर्कम॥ ॥ॐ वज्रवीराय स्वाहा॥ समूक॥ ॥ॐ वज्रमदरं स्वाहा
॥ चलकं नल॥ ॥ॐ वज्रयूथ स्वाहा॥ ग्वयकास॥ ॥ॐ दं २ रं रुः
रू स्वाहा॥ गिह्रास॥ ॥ॐ यूष्णि कू नू स्वाहा॥ गुर्गुनि॥ ॥ॐ समयनाः
लय स्वाहा॥ जूषन॥ ॥ॐ ससमथ स्वाहा॥ ककू गुन॥ ॥ॐ कमिधनि सर्व
सिद्धी कू नू जी स्वाहा॥ नकनीन॥ ॥ॐ कू नू २ सर्वकार्य सिद्धि भदवाय स्वाः
हा॥ नकचन्दन॥ ॥ॐ वज्रनस स्वाहा॥ वयनस॥ ॥ॐ सर्वना रुडा

[illegible]

मानसदासदा सुं कि वि श्वभनदा ॥ ॐ न नी लयुता पुठं ॥ म कृत म मि
 प्र कृत ॥ यी न व र्क म दा न का ल लि ता मन स सि ता नि ला य न क या
 द र्क ॥ न र्म ॐ दाय न न म ॥ ॐ सु ना वि य न्नी य सु ॥ ॐ सु न य नि ॥
 न व ऊ र्क म दा व न भ न य श्ला वि था द व न र्म ॐ दाय न न म ॥
 ॥ आ ॥ सु ॥ ध ॥ ध्या ना ॥ नू ता न क लि न द हा रि न रा ड र्क क जी ना यी ना म
 ला म दा न न का भा दा य का न ना भी ना ॥ न क न म्मि ज्म न य न ध्या न य र्क न

[illegible]

॥ ॐ यित्त च तं स्वाहा ॥ ॐ दलु वनाय स्वाहा ॥ ॐ धर्मा नाथाय स्वाहा ॥
॥ ॐ नीलवर्णाय स्वाहा ॥ यं मुनि ॥ नीलवर्णमहाकायात्मदिवाय निस
स्मिताय मदलु कर्णं धर्या कृतानकनभा मुनि ॥ ॥ नेत्राय ॥ धृ
ध्यान ॥ नारुसानकवर्णास्या कव्व नानागिवानकाय विगंथाक नरि मच्छ
रि छा लक्ष्मिनायका ॥ स्वर्गकया नरु सुच्छ ॥ ध्यान पृथ्वी नम मुनि ॥ पृथ्वी ॥
ॐ सर्वरु नरुयं कनाय स्वाहा ॥ ॐ नृपत्याय स्वाहा ॥ ॐ नारुसाय स्वाहा ॥

ॐ विकृताननाय स्वाहा ॥ ॐ निष्ठावनाय स्वाहा ॥ यं मु ॥ नाद्रावलि म
लाकाय स्वाहा ॥ जगत्तुल्यविभक्तं ॥ खड्गकयानधनीवीनं ॥ युताचरुं नमामहे
॥ ॥ यश्चि म ॥ धृ ॥ ध्यान ॥ वरुवावनू ॥ धनुका ॥ सफरु ॥ धविनादिता ॥ म
क्षितकरं धर्य ॥ सर्वनजरुययदा ॥ वनू ॥ नागनाराय ॥ ध्यानयूष्य
नममुने ॥ यूप्यं ॥ ॐ रुद्रकटिगिरिवानि विन्यास स्वाहा ॥ ॐ वनू ॥
य स्वाहा ॥ ॐ नागधियतय स्वाहा ॥ ॐ रुद्रदायय स्वाहा ॥ ॐ सागना

य स्वाहा ॥ यं मु ॥ शुद्धरुटिक संकाशं ॥ मरुतागधिययुरु ॥ रुद्रम
क्षिकरं धर्य ॥ वनू ॥ ध्यानयनममुने ॥ ॥ वायुय ॥ धृ ॥ ध्यान ॥ मरुतागधिय
गन्वायि यताकरु ॥ ध्यानधी ॥ रुद्रितावर्क संशुद्धा ॥ मरुतावनयना कुमा
॥ शुन्यदका मरुतावायु ॥ ध्यानयूष्य नममुने ॥ यूप्यं ॥ ॐ सुसखाखखस्व स्वा
हा ॥ ॐ यवनाय स्वाहा ॥ ॐ वायुय स्वाहा ॥ ॐ वयनाय स्वाहा ॥ ॐ वं वनाय स्वा
हा ॥ यं मु ॥ यत रुद्रकयुनारु ॥ शुन्यदकं मरुतावनं ॥ वं वनीववनीदव

ममनूरं न मास्यं ॥ ॥ उल्लन ॥ धू ध्या ॥ यद्वाधियामदा ॥ अरु ॥ स्फु
ललभादलागनापीनवर्ध सुमनुक नवनरु लधनीना ॥ मकन ॥ अ
रिताक क ॥ ध्या नय्यनममुने ॥ य ॥ ॥ उं कृवनायसादा ॥ उं धनाग
माथसादा ॥ उं यद्वाधियनथसादा ॥ उं गुधनायसादा ॥ उं क
कनायसादा ॥ ॥ यं ॥ म ॥ मूलकायमदानरा ॥ लकायनसंनि
तं ॥ अमनूरयदीनि ॥ कृवनायनममुने ॥ ॥ ॥ अने ॥ धू ध्या ॥

विष्णुनयातिस्तारा ॥ ॥ अने ॥ ॥ अवनस्कितायववाच ॥ अविष्णवांकि ॥ द
रुताविननुका ॥ मरुवडाधना ॥ ध्या नय्यनभा मुने ॥ ॥ य ॥ ॥ उं कृ
कृदं गिवसादा ॥ उं ॥ अनाथसादा ॥ उं मूलयादासादा ॥ उं नूडायसा
दा ॥ उं रुनाधियनथसादा ॥ यं ॥ म ॥ शुक्रवर्धमदानरा ॥ विष्णुलककया
निर्नसदाकल्यानिकापिबं ॥ विष्णुनाकनभा मुने ॥ ॥ उं ॥ धू ॥ मानति
मातिका ॥ अनापीनमनावी ॥ अनादानवनादा ॥ अक्रमाया ॥ क मलुनरिद

दिविद्रितं रुद्रा सनासमायुक्तं निष्ठाकर्मनमस्तु
 ॐ ॥ योनवर्त्ममहादिवितीताम्रनधनायनी ॥ सव्याहयप्रदा
 नाववाभयवर्त्मघटाधना ॥ धनही धनही माता ॥ यथिव्यायनमा
 मुने ॥ यथा ॥ ॐ यथिवेनमः ॥ ॐ वसुधेनमः ॥ ॐ धीयनमः ॥ ॐ
 लाकमाहुनमः ॥ ॐ धनधनमः ॥ यः मु ॥ यथिवीकनधन ॥ ॐ व
 मन्तवर्त्मसंयुतं ॥ सर्वांगक ॥ कवर्त्मता ॥ यथा मर्ननमस्तु ॥

2728

सव्य ॥ ॐ मवर्त्ममहावाक्का ॥ खड्ग रुद्रा क धनही ॥ नवाकनधन
 का ॥ विविजगुननसयका ॥ ॐ ॥ दानवाधियनि ॥ ॐ वसुधे
 यनमम ॥ यथा ॥ ॐ दानवायनमः ॥ ॐ वसुधेयनमः ॥ ॐ य
 थनमः ॥ ॐ नाकसायनमः ॥ ॐ किंकनायनमः ॥ यः मु ॥ नुलासन
 लेखल ॥ खड्ग रुद्रा क धनही ॥ ॐ मवर्त्ममहाकाय ॥ विमयिजाय
 नमः ॥ ॥ वाभ ॥ शुक्रवर्त्मविष्णुलाक्षी ॥ समरुतामननकन

सर्वसम्युक्तिदायकं ॥ ॥ यत्तत्सयूक्तं ॥ या विष्णुश्च नरकानां कायया
 ज्यैष्ठ्यं नमः ॥ ॐ गङ्गा दायकं स्वाहा ॥ ॐ गङ्गा विद्युत्तय स्वाहा ॥ ॐ गङ्गा श्वना
 मस्वाहा ॥ ॐ गङ्गा दायकं यूरित स्वाहा ॥ ॐ विष्णुश्च नाथ स्वाहा ॥ ॐ गङ्गा न नाथ स्वा
 हा ॥ ॐ लम्बा दलाय स्वाहा ॥ यः मु ॥ ॥ रुद्रमय लमन्देव कार्य सिद्धि वि
 नायकं ॥ श्रीरामायनं संयन्तं ॥ ॐ श्रीमत्सुखसंयदं ॥ ॥ रुद्रया लयूक्तं ॥ या
 रुद्रया लरुक्ता लकायया ॥ ज्यैष्ठ्यं नमः ॥ य ॥ ॐ मंनका नाथ स्वाहा ॥ ॐ

सर्वलम्बा दनाय स्वाहा ॥ ॐ रुद्राय स्वाहा ॥ ॐ महाका लाय स्वाहा ॥
 ॥ ॐ कला लीय स्वाहा ॥ ॐ यक्षु लिय स्वाहा ॥ ॐ वना लीय स्वाहा ॥ यं मु ॥
 महाका नं कषु वर्त्तु ॥ वृद्ध गमसन नरु कं न क लि कया लक्ष लं वी नं थु ना सनं
 नमः मु ॥ ॥ गम मा ना य रु ॥ या ॥ गम मा ना रु का न का य या दो ज र्थ न
 मः ॥ य ॥ ॐ न नाय स्वाहा ॥ ॐ रुद्राय स्वाहा ॥ य याय स्वाहा ॥ ॐ सो म्या य
 स्वाहा ॥ ॐ क यि नाय स्वाहा ॥ ॐ ग वाय स्वाहा ॥ ॐ ग वाय स्वाहा ॥ यं मु ॥

यसिद्धिश्चमहालक्ष्मीः सर्वसंयुतिदायकं न नृणां रुडा यया सोम्या । व
यिनाय नमस्तुते ॥ ॥ वृक्षमपि यस्ता ॥ या ॐ वै वडवानादिरुक्ता नि
कायया श्रीं जर्जन्नम ॥ य ॥ ॐ वै वडवानाक्षे नमः ॥ रुद्र ॥ ॐ ज्ञां यां ता
मिनीय हं रुद्र ॥ ॐ ज्ञां मां भारु नीय हं रुद्र ॥ ॐ ज्ञां ज्ञां संचान नीय हं रुद्र ॥ ॐ हं
हं सली सनीय हं रुद्र ॥ ॐ रुद्र रुद्र वल्लिका य हं रुद्र ॥ यं ॥ रुद्र ॥ शुन्य नाक न
हं ॥ आर्त्ता ॥ विष्णु रुद्रं स्वाहा वत ॥ ॐ लक्ष्म्याग्निवर्हेता ॥ वमस्तु वडवाना नि

नी ॥ ॥ अतिविरुयक लभयदा ॥ ॥ मूलक लभन्यास ॥ दाय ॥ ध्यान ॥ दिने
जामीकनचिउ चिऊनं सुतीर्थया लीययविउयुजितनधकाउयतामनपूवाम
दिनं ॥ वीनदहीक नकलुलासनं ॥ चिउंसुचिद्रै निनक्रिसूदिः ॥ नननं ॥ धय
यमादतयूगभकसृष्टिनिनयं ॥ उर्ध्वगणं कजितकुरुयललाताः ॥ दं ॥ संवाधिति
लकलभाम् ॥ नउउतावं ॥ ॐ वज्राम् ॥ तादत्यादि x ॥ पायू x ॥ ॐ वज्रसलायखा
ला ॥ ॐ वज्रधाम् ॥ नयमायखा ला ॥ ॐ वज्रनतायखा ला ॥ ॐ वज्रधाम् ॥ यखा ला ॥ ॐ

ॐ कर्मोयस्वाहा ॥ यं ५ ॥ मु ॥ नमस्तु वडसत्वाय वडननाय नमः ४ न
मस्तु वडधर्माय नमस्तु वडकर्म ॥ ॥ श्रीलक्ष्मीयूता ॥ ध्यान ॥ कुरुते
कमलादवी काय नानुवदुका ॥ ललीतासनाश्रयात्तां ननी लं च न श्री
ही ॥ या ॥ य ॥ ॐ श्रीवसुधायार्थ नमः ४ स्वाहा ॥ ॐ वसुधाय नमः ४ स्वाहा ॥ ॐ
श्रीवसुमति योय स्वाहा ॥ ॐ वसुधाय स्वाहा ॥ ॐ श्रीलक्ष्मीरुतनिवासनीय स्वाः
हा ॥ यं ५ ॥ मु ५ ॥ नमस्तु नमस्तु दवी सर्वसत्वार्यदायनी नमस्तु नदिबन्

धिय वसुधायानमस्तु ॥ ॥ यक यक ही यूता ॥ ध्यान ॥ वडयक म हा
वीना दसीताकाधनानना ॥ यक ही सरु जालिग्य रुसनन त ध्यान ही ॥
जकमाला धर्तं स बा वीलवर्त नमस्तु ॥ या ॥ य ५ ॥ ॐ वडरुकाय स्वाहा ॥ ॐ
वडीयक हीय स्वाहा ॥ ॐ ननक क वनाय स्वाहा ॥ ॐ रुनक यकाय स्वाहा ॥ ॐ
कनसादनाय स्वाहा ॥ ॐ मफाग्रकाय स्वाहा ॥ ॐ मधुधनाय स्वाहा ॥ यं ५ ॥ मु ५
॥ वडयकामहावीना यक ही यातिवासीना यनुमनु धर्तं वीना वीनवडनः

मा सुत ॥ ॥ जनी दी पूरा ॥ धर्म धनु थं ॥ सुति ॥ नमस्तुत उ क या
य किन धनु क ले नमः ॥ सर्व वहा लय वे लं ॥ धर्म धनु न मा सुत ॥ ॥
ॐ नाय क धु य रा ॥ राय ॥ ध्यान ॥ नान्द वं शु क व र्ण क ग रा न न म हा व न न च
उरु रं ति रं ग क ॥ धु र मा ला व ल य दं ॥ य द्वा न ध न ग क ॥ य ल सू ध तं विः
नाय का ॥ या ॥ य ॥ यं ॥ सु ॥ ॐ नाय य रा थं ॥ ॐ ति ॥ ॥ नाग य य रा ॥
ध्यान ॥ वं रा नं व र्ण शु क स क रु ना ल लं क ल न ॥ ज व य म धि स रं न च धि म
य न वा भ म

धि ध ना ध ना ॥ ध्यान सु ति क ता क ॥ धु य रा दि या य य कि न ति ॥ या ॥ य ॥ ॐ व न
ध य रा ॥ ॐ ज न ना य रा ॥ ॐ य मा य रा ॥ ॐ त क का य रा ॥ ॐ वा स
का य रा ॥ ॐ म हा प्रा य रा ॥ ॐ शं ख या ना य रा ॥ ॐ क क्री त का य रा
ॐ क र्क मा य रा ॥ यं ॥ ला ॥ सु ॥ ॥ रा ला धि य कि ना ना रा ॥ स्व स दी सि य व
स्ति ना ॥ स लार्थ य स दा व कि च न्द्र ध य न म सु त ॥ ॥ ॐ ति म ल क न स य
रा वि धि ॥ ॥ ॐ ॥ ॥ ॐ न म ॥ श्री व ज स ला य ॥ य रु दि या मा रु ॥ ज ग्नि क धु

धिसूत्र ॥ ॐ हूं सर्वं हूं लं वं हूं मदनिवर्जी ववर्जव न हूं ॥ ॐ वज्र स लज्जा ॥
॥ ध्यान ॥ ॥ कृष्ण सन ॥ ॐ हूं ममदा कृष्ण दिवाय विज्ञातु द्वादशना ॥ वृ
हधर्म सधनता ॥ यथिवीरान्तदलागडा ॥ सर्वविद्युष्मनिकुर्वन्नुसस्मि स्वा
हा ॥ सिता ॥ वृहद्भ्यानु सर्वसुदन्तन सता देवता न स सना वृद्धाद्या
लाकया लासु सत दिवसुता देवता रि ॥ समता ॥ भक्ता कल्याण चिन्ता सक
नरुनयदिता धनकार्थनाययूता गृह्णन्नुष्मनि विषदनु ययना द्वादशनाः

गन्तव्यं ॥ ॥ यादो ननं स्मिन् विद्याया द्वा
हं विनं न स वृत्त सतलं ह्यदभानु कान्दभन धाननं ॥ मंदा न
नं न इन्त्या गुह्यदभन भाननं ॥ या नान कतिदभानु सकमय वि की ति
नं ॥ रुवला कना रिदभानु रुवला कादल स थान सल्ला का वरु लम ॥ स
दल्ला के तु वरु सि ॥ रुनला के क ॥ दभानु यल्ला के ललात सुनय लला के वम्
धिसूत्र ॥ उवना निवतु दभान ॥ ॥ ज्ञाया यं ला मु दिगपूता ॥ यथा न्यासः

ॐ ह्रीं ह्रायत्यादि x ॥ यं ला मु ॐ ह्रीं ह्रसूनयतिर्वत्यादि x ॥ ह्रतिदिगयं का
 ॥ ॥ रुनाग्नि यूका ॥ आचक ॥ सिमनाद्यान आचक ॥ सर्वय ॥ ॐ सर्वयाय
 सर्वकुशसर्वइष्ट विष्णुमाना न ह्रीं ह्र ॥ ॐ निरुनाग्नि ॥ न नोमहावाक्य ॥ ज
 द्यादि x ॥ त न हय ला ॥ अ ह म्म ना भव स्म म्म क द म्म का ॥ क र्कै लि वृ त्त य ह्म ना ग
 रुतान् कनिष्ठि कां रु सु दी र्घ ॥ क्री न म धू क षाय कार्ष्णि न न ला नि वि ल य
 र्थ र्म य ना रा दि य ह्म म ल्म नि ना यु क्त ल क्त ल य ॥ ह्रीं ॥ ॐ यु क्त ल क्त ल य ॥ ह्रीं ॥

न नो स्वस्ति वाक्य x ॥ न नो ध्यान ॥ न तुं क्त लिनाग्नि म (धय वा
 नं य न इ य नि नं रा ता मि म ह्र ल नं का पा इ वं यी न व र्क म क म्म र्खं च तु नं नं वा म द
 ह्र क म ह्र न्ध नं स य व न दा रु मा ला ध नं यी ना म्म ना रु न ह्रीं य ह्म यु वा ती नं
 ति न तुं क्त म क ट ध नि नं व ज स स्वा लं क्त नं भो लि नं स म या नि मि रा य ॥ ॐ
 न व्र दि म हा रु न द व वि धि रु स क म ग दी ला रु कि म हा न स्मि स वि दि ना रु
 व सा हा ॥ ॐ नि म क न ह्म ना नि मा वा रु य ॥ ॥ ॐ ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ॥

टक्किनारुमडा ॥ आकर्षण ॥ उं आ ४ क वावडां कु भवीरुमा कर्षय ४ ॥ उं वडा
याभवीरुताययका ४ ॥ उं वडा सारु वीरुमा कर्षय ४ ॥ उं वडा वीरुमा
ताययका ४ ॥ धूयवाक ४ ॥ ॥ उं कानस्यवमकात्मा रुयभ्राववस्ति ४
तस्मादिधविन्यस्यत तलं रुयनम ४ ॥ ॥ हानद्यादिमययहं सतायस
मिभमातं ४ मकुयहूनयहूननाहूननाग्निश्चादिनयकं ॥ रुसदकान्त्याकनि
दीर्घमाकृषदायक ४ ॥ आयायनाकुतावायि विवि ४ ॥ वाननननु ॥ तस्यदं

यनमथानंतत्वा एवमुक्तेदता ॥ नारिमथस्तिनयमं ॥ उं आद्यादिदवता ४
॥ वसवडा कर्मत्वास्तु वीरु उं कानसंरुवं ४ नादविदकनातीतं वा विहना
तनाविधि ४ ॥ ॥ उं अग्नथदीयदीयाविद्याविद्यमका प्रीययकुगुरुनायद
थरु ४ हूं वं का ४ समयसुमिति ॥ ॥ नीलाकृ ४ न ॥ ॥ उं सर्वतथगतायवि
॥ भवनहूं स्वाहा ॥ यरुसुगन्धनलाय ॥ वज्रयहूं ॥ ॥ र्शससंखलाय ॥ उं अथ
यवभक्तानयजुर्वम्यनिरु ४ स्वाहा ॥ मद्रिस ॥ ॥ उं अथयवभक्तानयया

द्युतिः ४ स्वाहा ॥ यार्हा ॥ ॥ ॐ अग्नेयव न भक्तानाय जायते न युतिः ॥
४ स्वाहा ॥ वकुस ॥ ॥ ॐ अग्नेयव न भक्तानाय जायते न युतिः ४ स्वाहा ॥ सर्व
समिस ॥ ॥ ॐ वज्र न कजा ॥ ३ ॥ समयात्मा युव न ४ ॥ ॐ सर्व न था न काय
विष्णु न न हं स्वाहा ॥ यक्ष सुगंध न धय न ॥ ॥ ॐ हं जां जीर्णं ४ अभाय यतिः
शुद्ध भाय २ धिनी २ शुद्ध स ल म काय न हं वं जीर्णं किं स्वं हं रुद्र स्वाहा ॥ यक्ष न
वान काय ॥ यूप न्या न ॥ ॐ अग्नेय स्वाहा ॥ ॐ कलि नाय स्वाहा ॥ ॐ युद्ध नाय

ॐ दिक् का लाय स्वाहा ॥ ॐ सम न का लाय स्वाहा ॥ ॐ मानि रूपाय स्वाहा ॥ ॐ
वृद्ध रुडाय स्वाहा ॥ ॐ अग्नि स्वाहा ॥ ॐ न शा क नाय स्वाहा ॥ वं अय का न य
का ॥ मुनि ॥ अंक संवीर निर्ह्रा तं यी न व र्ण म का ह लं यी न म्वा य ना न का ॥ अग्ने न
म मु रु क या ॥ वडु रु क म का न का ॥ उ रा म कू न व र ती व य दा अ कू मा ना कू द रु क
म रु व य जा ॥ उ क ला रु पि ना द हा ॥ दिक् का ला स मा व ल ॥ गिरु र्ग ॥ अरि ना द हा
अ न ना य न म मु न ४ ॥ वृत्ति स म या मि ॥ ॥ य प दाय के ॥ ॐ श्री ४ स्वाहा ॥ ॥

काशावक रुद्र मा न ॥ सर्वपायद रुतवजाय सर्वपायद रुद्र स्थाहा ॥ युक्ति
वसमत्यादि ५ ॥ ॥ धवक यज्ञा ॥ ॥ तिलाग्निमुखनृका पहायवरु लयुः
माहीशु कवर्जुविराव ४ ॥ कालवृत्त नपम्भितश्रुव दवदि मुखवद्र ४ स्वमनः
द्विशा यत्तादृतिदद्यात् ॥ ॥ तिलावना ॥ प्राकृष्ट सर्वगुण यथा
वार्धायदायथनृपमृद्धि जूर्यतना दद्यात् ॥ वक्त्रावमनं तथा ॥ सर्वद्वय म
खगन्ध ॥ रुद्रि सिनभियुष्यकं रुद्रता झादिकं रुद्र स्थाहा लायां धूपनं तथा ॥

समिद्धादिकं सर्वयुतायादीयनं यनं १ ॥ नैव द्यादिनसायत ॥ यूनत रुद्र
वत्सल ४ ॥ रुमि ४ रुद्र विवर्धनी सिततिलं यायायदं गन्तिकृत् ॥ सिद्धार्थव
लवृद्धि कृत्स्नवियुलं मार्ययवावगद ४ ॥ कर्तुं वा रुद्र विवर्धनं सुकलसंयत्त्या
गन्धिलिधानां कं ॥ गन्धमश्च निपागद ४ सुकल कृत् विलरुलं स्मार्थकृत् ॥ तिलाव
दिकपी समित्त धूपय ४ युक्तायुदं शारवदं ॥ शीलान्धरिरुलयेदं सलिवर्तं कृत् ॥
दियुष्ठा रुद्रं दीयादी कि विवर्धनाद विमुञ्ज नवायि शीलान्धरं इवोयव लवृद्धि

सकलसम्यक्त्वार्थकं ॥ तन्मूलधनदं सुवन्दनगर्ही लक्ष्मीयुदं भा
 वसिद्धिधनप्रदा इति लसखार्त्तलाक संयनं ॥ मुक्तिरुत्तमकृपावियर्त्तिनं किता
 दद्याच्चुत्तनायमस्वच्छसिद्धिविवर्द्धनी सुवन्दनार्त्त ॥ सुवन्दनार्त्त ॥ सर्वविना
 दतना ॥ ॥ यत्तनायनिलिखनं समाधाय विष्णुध्यानमनुभावालिने स
 म्यक् ॥ इन्द्रयात्रुसवज्जयाति ह्रीं ॥ ॐ ॥ स्वाहा ॥ ॥ धनमनु ॥ ॥
 ॐ ॥ अग्नयस्वाहा ॥ धनकृतदाय ॥ यत्तनायनिलिखनसर्वसमिधं इन्द्रयात्रु

॥ ॐ अर्काय स्वाहा ॥ अक सि ॥ ॥ ॐ शमाय स्वाहा ॥ यला रु सि ॥ ॥
 ॐ वज्राय स्वाहा ॥ खुल सि ॥ ॥ वज्र वज्राय स्वाहा ॥ ज्यो मा र्ग ॥ ॥
 ॐ वज्र कुवनाय स्वाहा ॥ वन वन सि ॥ ॥ ॐ वज्र यज्ञाय स्वाहा ॥ उद मन
 सि ॥ ॥ ॐ वज्र भनिष्ठनाय स्वाहा ॥ भनि क ष सि ॥ ॥ ॐ वज्र वाधिवकाय
 स्वाहा ॥ ज्यो व वनंगत सि ॥ ॥ ॐ वज्र लनाय स्वाहा ॥ पिनाग र ॥ ॐ
 वज्र वीजाय स्वाहा ॥ वज्र न स ॥ ॥ ॐ मधून स्वाहा ॥ मधु काल ॥ ॥ ॐ न

मम हस्तकवचप्रतिपद्यायी॥ अथ निशान
 विनाशक नदवचिह्न

मम हस्तकवचप्रतिपद्यायी॥

अवाङ्कय

कंका

॥ ॥ ॥

॥ ॥ ॥

2728

उदिकातवे
 विगडानि
 इति ॥ ॥
 इति साधना
 इति साधना
 इति साधना